उस दिन जहन्नम लाई जाएगी, जिसकी सत्तर हज़ार लगामें होंगी और प्रत्येक लगाम को सत्तर हज़ार फरिश्ते खींच रहे होंगे।

अब्दुल्लाह बिन मसऊद (रज़ियल्लाहु अन्हु) अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम)
से रिवायत करते हुए कहते हैं◌ः “उस दिन जहन्नम लाई जाएगी, जिसकी सत्तर हज़ार लगामें होंगी और प्रत्येक लगाम को सत्तर हज़ार फरिश्ते खींच रहे होंगे।”
[सह़ीह़] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

क़यामत के दिन जहन्नम को लाया जाएगा, तो उसे सत्तर हज़ार रस्सियों से बाँधकर रखा गया होगा और हर रस्सी को सत्तर-सत्तर हज़ार फ़रिश्ते पकड़े हुए होंगे।

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/5463